संलग्नक ।
एन. सी. ई. आर. टी. द्वारा सुझाई सीखने सिखाने की प्रक्रिया
सभी विद्यार्थियों को समझते हुए सुनने बोलने पढ़ने लिखने और परिवेशिय सजगता को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत/सामूहिक रूप से कार्य के करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि -
संगीत, लोककलाओं, फ़िल्म, खेल आदि की भाषा पर पाठ पढ़ने या कार्यक्रम के दौरान ग़ौर करने/सुनने के बाद सम्बंधित गतिविधियाँ कक्षा में हों । विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए की वे आस पास के ध्वनियों और भाषा को ध्यान से सुनें और समझें
उन्हें इस बात के अवसर मिले की वे रेडीयो, टेलीविजन पर खेल फ़िल्म संगीत आदि से संबंधित कार्यक्रम देखें और उनकी भाषा लय आदि पर चर्चा करें
रेडीओ और टेलीविज़न पर राष्ट्रीय सामाजिक चर्चाओं को सुनने और सुनने तथा उस पर टिप्पणी करने के अवसर हों
अपने आस पास के लोगों की ज़रूरतों को जानने के लिए उसके साक्षात्कार और बातचीत के अवसर हों ऐ सी गतिविधियाँ पाठ्यक्रम का हिस्सा हों
हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने लिखने (ब्रेल तथा अन्य संकेत भाषा में भी) और उन पर बातचीत की आज़ादी हो ।
अपने अनुभवों को स्वतंत्र ढंग से लिखने के अवसर हों।
अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हो।
अपनी भाषा गढ़ते हुए लिखने की स्वतंत्रता हो
सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, अख़बार, पत्रिकाएँ, फ़िल्म और अन्य दृश्य श्रव्य (ऑडीओ-विडीयो) सामग्री को देखने सुनने पढ़ने और लिख कर अभिव्यक्त करने सम्बन्धी गतिविधियाँ हों
कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे अभिनय, भूमि का निर्वाह (रोल-प्ले)ए कविता पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों तथा उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट (पटकथा) लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर सुलभ हों।
अपने माहौल और समाज के बारे में स्कूल तथा विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में अपनी राय देने के अवसर हों
कक्षा में भाषा साहित्य की विविध छवियों/विधाओं के अंतर संबंधों को समझते हुए उनके परिवर्तनशील स्वरूप पर चर्चा हो जैसे आत्मकथा जीवन संस्मरण कविता कहानी निबंध आदि
भाषा साहित्य के सामाजिक सांस्कृतिक सौंदर्यात्मक पक्षों पर चर्चा विश्लेषण करने के अवसर हों
संवेदनशील मुद्दों पर आलोचनात्मक विचार विमर्श के अवसर हों जैसे जाति धर्म रीति रिवाज जेंडर आदि।
कृषि लोककलाओं हस्तकलाओं लघु उद्योग को देखने और जानने के अवसर हों और उनसे संबंधित शब्दावली को जानने और उसके उपयोग के अवसर हों

कहानी कविता निबंध आदि विधाओं में व्याकरण के विविध प्रयोगों पर चर्चा के अवसर हों
विद्यार्थी को अपनी विभिन्न भाषाओं के व्याकरण से तुलना समानता देखने के अवसर हों
रचनात्मक-लेखन, पत्र-लेखन, टिप्पणी, निबंध अनुच्छेद आदि लिखने के अवसर हों।

संलग्नक II
मन - मानचित्रण(मैपिंग) कक्षा 9 हिन्दी विषय सी. बी. एस. सी. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल के साथ
सामाजिक मुद्दों (लिंग भेदों, जाति भेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर अपनी राय व्यक्त करते हैं । जैसे- जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुस्कान क्यों न पढ़ें ? या मुस्कान अब पार्क में क्यों नहीं आती?
अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।
पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने को उत्सुक हो उन्हें पढ़ते हैं।
अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढकर पढ़ने की कोशिश करते हैं।
समाचार पत्र, रेडीओ और टेलिविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य सम्बन्धी समीक्षाओं, रिपोर्ट को सुनते और पढ़ते हैं ।
देखी-सुनी, सुने-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्ट मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।
अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं।जैसे - आँख बंद कर के यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि ।
किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ते हुए लिखते हैं।
सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त जैसे कविता कहानी, एकांकी को पढ़ते लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।
संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों लेख आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं।जैसे - उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रेजिस्टरों का उपयोग करते है।
भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं जैसे - विशिष्ट शब्द भंडार वाक्य-संरचना, मौलिकता आदि
अपने आसपास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं - जैसे कल तक यहाँ पेड़ था अब यहाँ इमारत बनने लगी?
अपने साथियों की भाषा, खान-पान,पहनावा सम्बन्धी जिज्ञासा को बोलकर और लिख कर व्यक्त करते हैं
हस्तकला,वास्तुकला, खेती बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।
जाति, धर्म, रीति-रिवाज़ , जेंडर आदि मुद्दों पर सवाल करते हैं।
अपने परिवेश के समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत करते हैं।
सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।

संलग्नक III			
मन-मानचित्र (मैपिंग) कक्षा-9 - हिन्दी विषय सी. बी. एस. ई. द्वारा अपनाए - सीखने के प्रतिफल			
नोट - सम्पूर्ण पाठ्यक्रम सीखने के प्रतिफल			
पाठ -2	**विषय पूर्ण किए गए**	**शिक्षण के लक्ष्य**	**सीखने के प्रतिफल**
पाठ 2 - दुख का अधिकार	श्रवण कौशल का विकास	• समाज के निम्न वर्ग एवं मध्यम वर्ग में व्याप्त विसंगतियों पर विद्यार्थियों को पीपीटी/औडियो/विडियो के माध्यम से दिखाया जाएगा । छात्र उन अंतर को सुनकर और समझकर भावों को समझ सकेंगे । • रुदाली चल-चित्र के माध्यम से दृश्य-श्रव्य रोचकता बनाए रखा जाएगा। • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	सामाजिक मुद्दों (लिंगभेदों, जाति भेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर अपनी राय व्यक्त करते हैं । जैसे- अमीर दुख प्रकट कर सके और गरीब दुख कह भी न सके ! सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त जैसे कविता कहानी, एकांकी को पढ़ते लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।
	वाचन कौशल का विकास	• क्या मानवीय भावों की अभिव्यक्ति भी किसी विशेष वर्ग के लिए ही है?- इस प्रश्न को लेखक ने पाठ में किस तरह रखा है, इस विषय पर छात्र अपने विचार प्रस्तुत करेंगेऔर उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे । • विद्यार्थी अपने अनुभव के आधार पर लोगों की समस्याओं पर अपनी अभिव्यक्ति प्रकट कर सकेंगे ।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी निम्न एवं उच्च वर्ग के अंतर और अन्य विसंगतियों को दर्शाते हुए अपने भावों को व्यक्त कर सकेंगे । स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
पाठ 2 - दुख का अधिकार	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर	

पाठ 2 - दुख का अधिकार		पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्दकोश का विकास	• आठ -दस नवीन एवं कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । • पाठ के अंत में विद्यार्थी बरकत, व्यवधान, कछियारी, ओझा, संभ्रांत शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे ।	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना: परिचर्चा (व्यक्तित्व क्या है?) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • हमारे समाज में व्याप्त विभिन्न विसंगतियों विषय पर एक संवाद लेखन । • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	सामाजिक विषमताओं से ऊपर उठकर मानवीय समानताओं से अवगत कराना।	

पाठ - 3	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ-3-एवरेस्ट: मेरी शिखर यात्रा	पर्वतारोहण के विषय में जानकारी	• पाठ के अंत में छात्र पर्वतारोहण के बारे में जानेंगे । • विद्यार्थियों को कुछ मशहूर पर्वतारोहियों के जीवन के बारे में बताते हुए उन्हें भी साहसिक कार्यों की ओर प्रेरित करना।	देखी सुनी पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं । अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे - आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि । (अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं । जैसे कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण लिखना।)
	श्रवण कौशल का विकास	• कैलाश मानसरोवर तथा केदारनाथ की यात्रा के आधिकारिक विडियो को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करना । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को तेनजिंग नोर्गे की एवरेस्ट चढ़ाई यात्रा से भी अवगत कराया जाएगा । • सोहन लाल द्विवेदी द्वारा रचित कविता हिमालय पर चर्चा करते हुए छात्र अपने लक्ष्य पर अडग रहने के संकल्प को कक्षा में सभी छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत करेंगे । • शारीरिक अक्षमताओं के बावजूद चुनौती झेलेने की क्षमता और मानसिक बल विषय पर छात्र अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । • छात्र अन्य प्रसिद्ध व्यक्तित्व जैसे संगीतकार रवीन्द्र जैन, नृत्यांगना सुधा चंद्रन, हेलेन केलर आदि के विषय में अपनी जानकारी में विस्तार लाएँगे ।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• 'हिमालय का महत्व' विषय पर कक्षा में लेख लिखवाकर छात्रों के लेखन कौशल को जानना|	

		• लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• आठ -दस नवीन एवं कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना | • पाठ के अंत में विद्यार्थी नौसखिया, हिमपिंड, उपस्कर, आरोहण, जायजा शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्नलिखित के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना:- • परिचर्चा (आधुनिक युग में नारी) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जीवन में साहस एवं लगन की भूमिका सफलता प्राप्त करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है ।	

पाठ - 4	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 4-तुम कब जाओगे अतिथि	अतिथि की मर्यादा का ज्ञान कराना |	• छात्र आज की इस उपभोक्तावादी संस्कृति में अतिथि देवो भव:के महत्व को समझ सकेंगे । • विद्यार्थी प्राचीनकाल व आधुनिक काल के अतिथि तथा गृहस्थों के व्यवहार में अंतर की तुलनात्मक जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।	अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढकर पढ़ने की कोशिश करते हैं। (साहित्य की व्यंग्य विधा और उसके प्रभावों को जानेंगे ।) संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों लेख आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, स्मार्ट बोर्ड, रोल-प्ले, तुम कब जाओगे अतिथि या अन्य हास्य व्यंग्य फिल्म/नाटिका की सी. डी. को सुनकर श्रवण कौशल का विकास होगा । • दृश्य-श्रव्य सामग्री जैसे 'अतिथि देवो भव' टीवी सिरियल के कुछ अंश विद्यार्थियों के समक्ष रखे जाएंगे । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• शरद जोशी की कहानी के माध्यम से परिवार में अनचाहे मेहमानों के आने से आने वाली कथित कठिनाईयों और परिवर्तनों पर विद्यार्थी आपस में एक संवाद प्रस्तुत करेंगे • घर पर आए मेहमान के विषय में विद्यार्थी अपने अनुभव को कक्षा में बताएंगे ।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं • उच्चारण संबंधी त्रुटियों और शब्द उच्चारण की समस्या को दूर करना।	

	लेखन कौशल का विकास	• अतिथि सत्कार विषय पर कक्षा में लिखित अनुच्छेद द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को जानना। • इस पाठ को पढ़ने के उपरांत छात्र हरीशंकर परसाई जी की व्यंग्य लेख शैली और शरद जोशी जी की प्रस्तुत रचना शैली की तुलना 250 से 500 शब्दों में लिखेंगे । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी आतिथ्य, अप्रत्याशित, मार्मिक, संक्रमण, सामीप्य और अंतरंग शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। • आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना और उनका वाक्य में प्रयोग करना ।	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated	निम्नलिखित के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना: • परिचर्चा (अतिथि सत्कार)	

	Assessment)	• लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • बोधात्मक प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	भारतीय संस्कृति में 'अतिथि देवो भव ' की परंपरा का पोषण हुआ है ।	

पाठ-6	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 6- कीचड़ का काव्य		• छात्र अलग अलग उदाहरणों के द्वारा कीचड़ के महत्व को समझेंगे • हमारा अन्न कीचड़ की ही उपज है अत: कीचड़ को हेय नहीं श्रद्धेय समझेंगे । • पाठ के अंत में छात्र कीचड़ और मिट्टी और खेती के जादू से उत्पन्न खाद्यान्य के महत्त्व को समझ पाएंगे ।	हस्तकला,वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं। सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी. टी, तथा हरित क्रांति पर चर्चा और विडियो को सुनकर श्रवण कौशल का विकास होगा । • चल-चित्र 'मेरा गाँव मेरा देश' के कुछ दृश्य दिखाकर गाँव की मिट्टी और देश के प्रति अपने कर्तव्य पर चर्चा । • भारत के कुछ प्रांतों में कीचड़ और होली के परस्परिक सम्बन्धों पर चर्चा को सुनकर विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि जागृत होगी और श्रवण कौशल का विकास होगा । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे ।	

		• आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• क्या कीचड़ 'गंदगी' है ? - इस विषय पर छात्र कक्षा में एक परिचर्चा करेंगे । • विद्यार्थी उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ को क्रमानुसार पढ़ेंगे । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	हस्तकला,वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं। सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे ।	

		• संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	हस्तकला,वास्तुकला, खेती-बाड़ी के प्रति अपना रुझान व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं। सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।
	लेखन कौशल का विकास	• छात्र कीचड़ में पैदा होने वाली कुछ फसलों के नाम लिखेंगे जैसे - धान, गन्ना, कपास और केला । • पाठ का मूल भाव को अपने शब्दों मे लिखकर स्पष्ट करना । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी जलाशय, सिंधु, पंकज, पृथ्वी, शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे ।	

		• अन्य नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (कीचड़ का महत्व) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • बोधात्मक प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	कीचड़ को हेय नहीं श्रद्धेय माना जाना चाहिए । हमें वस्तु की बाहरी सुंदरता के स्थान पर उसके गुणों को महत्व देना चाहिए ।	

पाठ-7	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 7-धर्म की आड़	सच्चे धर्म की प्रेरणा	• इस पाठ में लेखक ने पशुता छोड़कर मनुष्यता के जीवन मूल्य को ग्रहण करने की शिक्षा दी है । • विद्यार्थी धर्म की उपयोगिता को समझते हुए अनीतियों व कुरीतियों का तुलनात्मक मूल्यांकन स्वयं कर सकेंगे ।	जाति, धर्म, रीति-रिवाज़ , जेंडर आदि मुद्दों पर सवाल करते हैं। अपने परिवेश के समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत करते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, कुछ धर्म विचारकों के विचारों को प्रस्तुत करते विडियो, सी.डी., और जातिवाद को प्रस्तुत करते किसी कार्यक्रम को सुनकर/देखकर श्रवण कौशल का विकास होगा । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे ।	

		• आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• छात्र कक्षा में धर्म, जाति, रीति-रिवाजों के विषय पर एक वाद-विवाद का आयोजन करेंगे । • धर्म की आड़ में होने वाली अन्य कुरीतियाँ जैसे बाल विवाह, सती- प्रथा आदि के उन्मूलन हेतु चलाये गए आंदोलन पर एक परिचर्चा करेंगे । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• भारत के संविधान ने देश को एक धर्म निर्पेक्ष श्रेणी में रखा है। इसके बावजूद कुछ तत्व देश में धार्मिक असहिष्णुता की भावना को हवा देने में सफल हो जाते हैं । इस तथ्य पर छात्र अपने विचार प्रस्तुत करेंगे । • लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे।	

		इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• छात्र देश तथा समाज में व्याप्त धर्म के नाम पर असहिष्णुता पर विचार लिखकर प्रस्तुत करेंगे । • समाज में व्याप्त अन्य कुरीतियों पर एक अनुच्छेद लिखेंगे । • लेखन त्रुटियों से अवगत कराना । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे।	

		• अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी धर्मांध, सौहार्द, अहिंसा, पूंजीपति, आडंबर, शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। • अन्य आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (अंधविश्वास) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी • आशय स्पष्टीकरण	
	नैतिक मूल्य	• मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। • भारत विभिन्नता में एकता का एक प्रतीक है । • धर्म एक व्यक्तिगत भाव है, प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म को मानने का अधिकार होना चाहिए ।	

पाठ - 8	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 8 - शुक्रतारे के समान	कार्य के प्रति समर्पण को जानना।	• पाठ को पढ़कर विद्यार्थी शुक्र तारे के महत्व को तथा कार्य के प्रति समर्पण को जानेंगे।	समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य सम्बन्धी समीक्षाओं, रिपोर्टों को सुनते और पढ़ते हैं ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी तथा औडियो/विडियो के द्वारा डांडी यात्रा आंदोलन को सुनकर/देखकर स्वतंत्रता आंदोलन को जानेंगे । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थी उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ को क्रमानुसार पढ़ेंगे । • साबरमती आश्रम के बारे में जानकारी एकत्रित करके छात्र आश्रम का वर्णन अपने शब्दों में करेंगे । • छात्र स्वतन्त्रता आंदोलन से संबन्धित नारों का वाचन करेंगे जैसे - 'वंदे मातरम, 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा' आदि । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे।	

		• विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• गांधीजी की आत्मकथा - 'सत्य के प्रयोग' को पुस्तकालय से लेकर पढ़ा जाएगा । • लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य सम्बन्धी समीक्षाओं, रिपोर्टों को सुनते और पढ़ते हैं ।

	लेखन कौशल का विकास	• महामारी में वैज्ञानिकों और डाक्टरों द्वारा किए जा रहे शोध पर एक रिपोर्ट तैयार करें । • स्वत्रंता संग्राम पर आधारित किसी एक सिनेमा पर छात्र अपनी समीक्षा रखेंगे । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	समाचार पत्र, रेडियो और टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य सम्बन्धी समीक्षाओं, रिपोर्टों को सुनते और पढ़ते हैं ।
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी प्रमाण, मंत्रमुग्ध, साहित्यिक, पीर-बावर्ची-भिश्ती-खर, शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे।	

		• अन्य आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना: • परिचर्चा (गाँधी का राजनैतिक जीवन) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • मौखिक मूल्यांकन • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जैसे कस्तूरी की सुगंध छिपती नहीं वैसे ही गुणवान व्यक्तित्व का यश स्वयं ही चारो ओर फैल जाता है ।	

पाठ - 9	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 9 - रैदास	पदों की प्रासंगिकता को समझना।	• पाठ के अंत में विद्यार्थी रैदास के पदों में निहित ईश्वर के प्रति समर्पण की भावना को समझने में सक्षम होंगे ।	किसी सुनी, बोली गई कहानी, कविता अथवा अन्य रचनाओं को रोचक ढंग से आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं। अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• तुलसी कृत राम चरित मानस के कुछ अंश छात्रों को औडियो द्वारा सुनाकर उन्हें ईश्वर और भक्ति को समझ सकेंगे । • अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री (रामायण के कुछ दृश्य) के माध्यम से रोचकता बनाए रखना। • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे।	

		• सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• उचित लय -ताल, सुर, यति-गति, और ओजस्विता पूर्ण आवाज में कविता का समूह में गायन। • पाठ सुनने के बाद विद्यार्थी पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ होंगे | • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर	

		जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• पाठ में कवि ने भक्त और भगवान की तुलना किन-किन उदाहरणों के रूप में की है, छात्र इसका विस्तार से विश्लेषण (उदाहरण या उपाख्यानों के माध्यम से) करेंगें। • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे ।	

		• उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी चितवत, हारिजीउ, गरीब निवाजु, छोति, छत्रु शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। • अन्य आठ -दस कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। अवधी, ब्रज भाषा तथा खड़ी बोली के शब्दों में सामंजस्य स्थापित कर पाएंगे ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (सामाजिक विषमता) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	भगवान को प्राप्त करने के लिए बाह्य आडंबर नहीं अपितु पूर्ण समर्पण की आवश्यकता है ।	

पाठ - 10	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 10- रहीम	रहीमदास के नीतिपरक दोहों का परिचय।	• पाठ के अंत में छात्र दोहों के माध्यम से मानुष-प्रेम एवं मानव-मूल्यों के महत्व को समझ सकेंगे । • रहीमदास जी ने अपने दोहों के माध्यम से परोपकार तथा कभी भी बड़ों की तुलना में छोटों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए के संदेश का प्रतिपादन किया है ।	विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं। भाषा - साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं जैसे विशिष्ट शब्द, वाक्य शैली, संरचना आदि ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, रहीम के चित्र और उनके दोहों को कक्षा में ओजस्वी ढंग से शिक्षक द्वारा पढ़कर विद्यार्थियों में श्रवण कौशल का विकास कराना । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण दोहा वाचन के माध्यम से पूर्व पठित अंश से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • सस्वर दोहों का गायन करेंगे। • दोहा अंताक्षरी के माध्यम से वाचन कौशल का विकास होगा ।	

		• स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	

	लेखन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों से दोहों में निहितार्थ मानवीय मूल्यों को अपनी भाषा में लिखवाकर लेखन कौशल का विकास करना । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• दोहे में प्रयुक्त शब्दों का मानक रूप खोजना । • आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। • दैनिक जीवन में उनका प्रयोग।	

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी दीरघ, आखर, अरथ, बिथा, अघाय, शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • दोहे कंठस्थ करके कक्षा में प्रस्तुत करेंगे। • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • दोहों के आशय स्पष्टीकरण के आधार पर • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	रहीम के दोहे मानुष-प्रेम एवं मानव-मूल्यों के महत्वों को जागृत करने की प्रेरणा देते हैं ।	

पाठ - 11	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 11- आदमीनामा	मनुष्य के गुण-अवगुणों की पहचान |	• पाठ के अंत में विद्यार्थी पदों के माध्यम से मनुष्य के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों से परिचित होंगे । • साहित्य में उर्दू लेखन की एक विधा नज़्म के विषय में विद्यार्थियों को अवगत कराना ।	अपने साथियों की भाषा, खान-पान, पहनावा सम्बन्धी जिज्ञासा को बोलकर और लिखकर व्यक्त करते हैं । पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने को उत्सुक हों, उन्हें पढ़ते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• अध्यापिका उर्दू भाषा की नज़्म, शेर- शायरी और ग़ज़ल संबंधी गीतों का औडियो सुनाएगी । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे ।	

		• आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थी नज़्म का सस्वर वाचन करके उसके मूलभाव को अपने शब्दों में बताएँगे। • ग़ालिब और गुलजार की उर्दू शायरी रचनाओं को पढ़कर तुलनात्मक अंतर करना सीखेंगे । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• कक्षा में बच्चों से कविता का क्रमानुसार वाचन करवाया जाएगा, जिससे उनके सही उच्चारण का अभ्यास होगा । • छात्र पाठ में दिये तर्कों को समझ पायेंगे और उनके समर्थन में कारण और सबूत पेश करेंगें जैसे मनुष्य	

		ही विध्वंसकारी एटम बम बनाकर जीवन समाप्त करता है और साथ ही असाध्य से असाध्य रोगों का इलाज़ कर नया जीवन प्रदान करता है । • लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• 'मानवीय मूल्यों की महत्ता' शीर्षक पर अनुच्छेद लेखन के द्वारा लेखन कौशल का विकास । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे ।	

		• उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी उर्दू शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना । जैसे - मुरीद, दिलपजीर, नियामत, अशराफ़, मुफ़लिस । • अन्य आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (अपने अवगुणों को कैसे दूर करें?) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	मानवीय मूल्यों की उपस्थिति के बिना मानव की श्रेणी में शामिल होना अर्थपूर्ण नहीं है ।	

पाठ - 12	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 12- एक फूल की चाह	छुआछूत की भावना को जानना।	पाठ के अंत में विद्यार्थी अस्पृश्यता जैसी कुरीति के प्रति सजग होंगे ।	अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे-आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त जैसे कविता कहानी, एकांकी को पढ़ते लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, • जातिवाद को प्रस्तुत करती कुछ तस्वीरें, • अस्पृश्यता पर आधारित कोई नाटक। • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	निर्धनता : एक अभिशाप विषय पर कक्षा में परिचर्चा/भाषण/वाद-विवाद से वाचन कौशल का विकास होगा । स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।	

		कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	सिया राम शरण गुप्त की कविता एक फूल की चाह पढ़कर माखन लाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कविता एक फूल की चाह पढ़ेंगे तथा दोनों कविताओं का तुलनात्मक चित्रण प्रस्तुत कर सकेंगे । ● लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । ● भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । ● संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। ● एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे ● उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	

	लेखन कौशल का विकास	• यह कविता एक कथात्मक रचना है । विद्यार्थी इस कविता की कहानी को सरल भाषा में लिखेंगे । इससे लेखन कौशल का विकास होगा । • छुआछूत की समस्या के प्रति मनुष्य के सकारात्मक और नकारात्मक सोच के विषय में कक्षा में लिखित लेख द्वारा छात्रों के लेखन कौशल को बढ़ावा । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	

	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी विहसित, विस्तीर्ण, आमोदित, तिमिर, उद्वेलित शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे।सीखे गए अपरिचित शब्दों से वाक्य रचना करेंगे । • आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्याँकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्याँकन करना :- • परिचर्चा (जातिवाद एक अभिशाप) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	अस्पृश्यता जैसी कुरीति के प्रति संवेदनशीलता ।	

पाठ - 14	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 14- अग्निपथ	संघर्ष ही व्यक्ति को मजबूत बनाता है ।	प्रतिभा को निखारने के लिए संघर्ष अत्यंत आवश्यक है। पाठ के अंत में विद्यार्थी कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करने में सक्षम होंगे ।	पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने को उत्सुक हों उन्हें पढ़ते हैं। अपने आस-पड़ोस के लोगों, सच्चे सहायकों या सच्चे साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।
	श्रवण कौशल का विकास	अग्निपथ कविता को लेखक के पुत्र अमिताभ की आवाज में सुनाई गई औडियो/विडियो के माध्यम से कविता की रोचकता को बनाए रखा जाएगा । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे।	

		• सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे।	
	वाचन कौशल का विकास	• जीवन संघर्षमय है, इससे घबराकर थकना नहीं चाहिए - इस भाव से संबन्धित अन्य कविताओं को एकत्रित करके कक्षा मे एक कवि सम्मेलन का आयोजन । • उचित लय - ताल , सुर, यति-गति, और ओजस्विता पूर्ण आवाज में कविता का समूह में गायन। • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। • विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे।	

		• कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• कविता में आए शब्द 'मांग मत', 'कर शपथ', 'लथ-पथ' शब्दों को बार बार पढ़ेंगे। इससे कवि के भाव कि हमें रुकना नहीं है, आगे ही बढ़ते जाना है, को सीखेंगे। • लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	

	लेखन कौशल का विकास	• 'जीवन एक संघर्ष' विषय पर कक्षा में एक अनुच्छेद लेखन के माध्यम से छात्रों के लेखन कौशल का विकास । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी लथपथ, दृश्य, अश्रु-स्वेद-रक्त शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। सीखे गए अपरिचित शब्दों से वाक्य रचना करेंगे ।	

		• आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना। नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (क्या संघर्ष का एक निश्चित स्वरूप होता है?) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	सफलता प्राप्त करने के लिए जीवन के संघर्षों का सामना लगन व आत्मविश्वास के साथ करना चाहिए।	

पाठ - 15-(i)	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 15- नए इलाके में	आधुनिक युग की तीव्र परिवर्तनशीलता से अवगत करवाना।	• दैनिक जीवन से संबंधित आंतरिक भावों को समझने का प्रयास करना। • पाठ के अंत में विद्यार्थी नए इलाके में कविता के माध्यम से जीवन की यथार्थताऔर परिवर्तनशीलता से परिचित होंगे ।	अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं। जैसे-कल यहाँ पेड़ था अब वहाँ इमारत बनने लगी ? भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं जैसे - विशिष्ट शब्द भंडार वाक्य-संरचना, मौलिकता आदि ।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक-पी.पी.टी, समसामयिक विषयों पर चर्चा जैसे बढ़ते शहरीकरण और सिकुड़ते गाँव ।	

		• दृश्य-श्रव्य सामग्री जैसे शहरीकरण पर एक डॉक्युमेंट्री के माध्यम से रोचकता बनाए रखना। • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से विद्यार्थियों को जोड़ा जायेगा। • कविता को वास्तविक जीवन से जोड़कर मूल भाव की व्याख्या। • 'आधुनिकीकरण देश की प्रगति में आवश्यक है' विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता । • स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे।	

		• विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। • किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। • कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। • स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	• पाठ पढ़ने के उपरांत छात्र पाठ का केंद्रीय विचार निर्धारित करने में सक्षम होंगें- विकास या प्रकृति का विरोध विषय पर छात्र अपने लिखकर पढ़ेंगे । • लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे ।	

		• संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• पर्यावरण और विकास विषय पर एक अनुच्छेद लिखवाकरछात्रों के लेखन कौशल विकसित करना । • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे । • अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे।	

		• अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी ठकमकाता, फाटक, इकमंज़िला, अकास, शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। सीखे गए अपरिचित शब्दों से वाक्य रचना करेंगे । • आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानना।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (क्या जीवन में कुछ स्थायी होता है?) • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है, यह परिवर्तनशील है ।	

पाठ - 15-(ii)	विषय पूर्ण किए गए	शिक्षण के लक्ष्य	सीखने के प्रतिफल
पाठ 15-(ii)- खुशबू रचते हाथ	बाल मजदूरी एक अभिशाप ।	• बाल मजदूरी करने के पीछे के कारण और देश और समाज का कर्तव्य पर विद्यार्थियों में एक सोच विकसित की जाएगी ।	अपने परिवेश के समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत करते हैं।

		• पाठ के अंत में विद्यार्थी शिक्षा के महत्व को समझेंगे ।	संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों लेख आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं।जैसे - उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रेजिस्टरों का उपयोग करते है।
	श्रवण कौशल का विकास	• पाठ विस्तार में सहायक- पी.पी.टी, बाल मजदूरी की कुछ तस्वीरें एवं औडियो/विडियो का समग्रह किया जाएगा। • विद्यार्थियों को यूनिसेफ़ द्वारा बनाए गए औडियो/विडियो को दिखाकर इस समस्या का वैश्विक स्वरूप दिखाया जाएगा जिससे वे इस समस्या की व्यापकता जानेंगे । • 5 से 8 मिनट तक बोले गए शैक्षणिक पाठ को सुनकर नोट्स बना पायेंगे। • सुनते समय 5 से 8 मिनट तक बोले गए वक्तव्य के पैटर्न की पहचान कर पाने तथा उसका निष्कर्ष निकाल पाने में सक्षम होंगे । • आलंकारिक भाषा को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे। • पाठ में एक लेखक के विचारों की पहचान कर पाठ का औपचारिक सारांश बता सकेंगे। •	
	वाचन कौशल का विकास	• विद्यार्थियों को कविता के ओजस्विता पूर्ण वाचन के माध्यम से जोड़ा जायेगा। • क्या सामाजिक वर्ग व्यवस्था बाल मजदूरी को बढ़ावा देती है ? इस विषय पर कक्षा में	

		एक वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा । ● कक्षा में बाल दिवस पर एक गोष्ठी आयोजित करके अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। ● स्व-निर्मित प्रश्नों का उपयोग करके सहपाठियों का मौखिक साक्षात्कार कर पाने में सक्षम होंगे। ● विभिन्न विषयों पर अपना मत प्रकट कर सकेंगे और उदाहरण और तथ्यों के साथ उसका समर्थन कर सकेंगे। ● किसी विषय पर अपनी सहमति अथवा असहमति सुसंगत मौखिक भाषा में प्रकट कर पाने में सक्षम हो सकेंगे। ● कक्षा में सुव्यवस्थित और सुविचारित ढंग से 5 से छह मिनट तक पाठ के विषय में बोल सकेंगे। ● स्थानीय और वैश्विक मुद्दों पर मौखिक बहस में हिस्सा ले सकेंगे।	
	पठन कौशल का विकास	● विद्यार्थियों से समाज में व्याप्त गरीबी और उसका बच्चों पर क्या असर होता है विषय पर बातचीत कर उनमें एक स्वयं की सोच विकसित कराना । ● लगभग 100-150 शब्दों के एक अंश को पढ़ते हुए सामान्य और शैक्षणिक सन्दर्भों शब्द प्रयोग में अंतर जान सकेंगे। इसमें	

		प्रयुक्त 80 प्रतिशत से अधिक हिंदी शब्दों के अर्थ और वर्तनी को जान सकेंगे । • भाषा के विविध प्रकारों की पहचान कर पायेंगे और पढ़ते समय उपसर्गों और प्रत्ययों के अर्थ को समझ कर अंतर स्पष्ट कर सकेंगे । • संदर्भ से शब्दावली अर्थ का अनुमान लगाने के लिए रणनीतियों के संयोजन का उपयोग कर सकेंगे। • एक पाठ में साहित्यिक उपकरणों की पहचान कर सकेंगे • उच्च मध्यवर्ती स्तर की शब्दावली के साथ बिना रुके 150 -200 शब्द विश्लेषण करते हुए पढ़ सकते हैं	
	लेखन कौशल का विकास	• प्रभावी तकनीक, प्रासंगिक वर्णनात्मक विवरण और अच्छी तरह से संरचित घटनाक्रमों का उपयोग करके छात्र ' मजदूरी से महानता तक ' विषय पर एक वास्तविक या काल्पनिक अनुभवों या घटनाओं को विकसित करने के लिए लेख लिखेगें। • लिखने से पहले अपने लेख की रूपरेखा तैयार कर पायेंगे । शिक्षक के सुधार प्रतीकों का उपयोग करके अपने स्तर पर एक प्रारूप को संशोधित कर पायेंगे और व्याकरण के लिए संपादित कर पायेंगे ।	

		• अलग-अलग संगठन संरचनाओं का उपयोग करके 3- से 4- अनुच्छेद वाला निबंध (125-150 शब्द) लिख सकेंगे । • उपयुक्त विराम चिह्न, और वर्तनी के साथ विभिन्न प्रकार के सरल, मिश्रित और जटिल वाक्यों का उपयोग कर पायेंगे। • लेख की गुणवत्ता हेतु सारांश वाक्यांशों और आश्रित धाराओं सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग कर पायेंगे। • अपने विचारों का समर्थन करने के लिए उचित रूप से बाहरी स्रोतों के उद्धरण, सारांश का उपयोग और संक्षिप्त टीका कर पायेंगे।	
	शब्द कोश का विकास	• पाठ के अंत में विद्यार्थी जख्म, कूड़े-करकट, मुहल्ले, टोले, अगरबत्तियाँ शब्दों का प्रयोग सीख जाएंगे। सीखे गए अपरिचित शब्दों से वाक्य रचना करेंगे । • अन्य आठ -दस नवीन तथा कठिन शब्दों को रेखांकित कर उनके अर्थ जानेंगे ।	
	विभेदित मूल्यांकन (Differentiated Assessment)	निम्न के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का मूल्यांकन करना: • परिचर्चा (श्रमिक समाज की दयनीय स्थिति के कारण)	

		• 'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व' विषय पर कक्षा में लिखित अनुच्छेद द्वारा छात्रों की लेखन कौशल को जानना । • लघु प्रश्न निर्माण के माध्यम से। • प्रश्नोत्तरी	
	नैतिक मूल्य	हम सभी का कर्तव्य है कि बच्चों को विद्यालय का रास्ता दिखाएँ क्योंकि बाल मजदूरी एक अपराध है।	